DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with A Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph.: 07753-253801 Fax: 07753-253728
E-mail: info@cvru.ac.in, visit us at: www.cvru.ac.in

क्र. 213/कु.स./सी.व्ही.आर.यू./2024 बिलासपुर, दिनांक : 07.03.2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह फरवरी– 2024 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह फरवरी– 2024 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

For कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– फरवरी – 2024

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.)

		मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला बी. जे. एम. जे. फैकल्टी ऑफ साईस बी. एस. सी. (जीवविज्ञान) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)

		एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।

08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 26.12.2022 को किया गया था एवं दिनाक 25.01.2023 को सदस्य अकाद्मिक डॉ. अंजना शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय के अकाद्मिक विभाग का अकाद्मिक विजिट किया गया। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा

		रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वन की दिशा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन मध्य प्रदेश में दिनांक 2 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वन विषय पर सेंट्रल जोन के विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों के लिए एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. अरविंद तिवारी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अभिषेक पाठक एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा नॉमिनेटेड राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी श्री अनुज कुमार सिंह एवं श्री आनंद पांडे ने सहभागिता की। दिनांक 1 फरवरी

		2024 को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के द्वारा उज्जैन के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के केंद्रो के भ्रमण हेतु व्यवस्था की गई थी जिसके अंतर्गत ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर, काल भैरव मंदिर, शक्तिपीठ, चिंतामणि गणेश मंदिर, भरथरी गुफा, गुरुद्वारा, शिप्रा नदी घाट, संदीपनि आश्रम, मंगलनाथ मंदिर आदि का भ्रमण करते हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों एवं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी ने देश के प्राचीन नगरी उज्जैन के धार्मिक पुरातात्विक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझा। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो रमन में दिनांक 06 फरवरी और 07 फरवरी 2024 को उर्वरक विभाग रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल फर्टिलाईजर्स लिमिटेड विजयपुर इकाई के द्वारा किसानों के हित में कार्यक्रम की शुरूआत की गई। नेशनल फर्टिलाईजर्स लिमिटेड अपने उद्देश्य को लेकर सामुदायिक रेडियो रमन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का निर्माण करवा रहा है, जिसके तहत रेडियो रमन को 180 एपिसोड का प्रसारण करना है। कृषकों हेतु 60 विषयों पर कृषि विशेषज्ञों के द्वारा मार्गदर्शन दिया जायेगा, जिसमें कृषकों को बागवानी, मछली पालन, बकरी पालन, मधुमख्खी पालन, रेशम, समस्त प्रकार की खेती की जानकारी एवं कृषि उपकरण के रखरखाव सहित उन्नत खेती के लिए जानकारी प्रदान की जा रही है, जिसका प्रसारण रेडियो रमन के द्वारा किया जायेगा। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 07 फरवरी 2024 को ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट विभाग एवं आईक्यूएसी के द्वारा एक दिवसीय सेमीनार

			"Understanding relevance of 21st Century skills in present times for career growth" पर रखा गया था। जिसमें बताया गया कि 21वीं सदी के कौशल के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। इन कौशलों में आलोचनात्मक सोच, समस्या–समाधान, संचार, सहयोग, रचनात्मकता और डिजिटल साक्षरता शामिल हैं, जिन छात्रों के पास ये कौशल हैं वे लगातार आगे बढ़ रहे है और अपने करियर में सफल होने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहे है।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में वार्षिक खेलकूद उत्सव का रंगारग शुभारंभ दिनांक 08 फरवरी को हुआ। यह खेल उत्सव 12 फरवरी तक आयोजित किया गया था। इस दौरान क्रिकेट, कब्बडी, वॉलीबाल, खो–खो, बैंडमिंटन, लंबी कूद, उंची कूद, भाला फेंक, तवा फेंक सहित एथलेटिक के सभी गेम में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही साथ विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती भी दी गई।
		–	हिंदी और विभिन्न भारतीय भाषाओं के संवर्धन के साथ ही साथ भारतीय कला, साहित्य एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'विश्वरंग' टैगोर अंर्तराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर सतत सक्रिय कवि एवं कथाकार 'विश्वरंग' के निदेशक एवं डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के स्थापना दिवस समारोह में 12 फरवरी 2024 को विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस में सम्मिलित हुए।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 13 फरवरी 2024 को रेडियो

		रमन एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर "रेडियो : सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षित करने वाली एक सदी" विषय पर रेडियो रमन 90.4 हमर रेडियो हमर संगी कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई थी। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में विकसित भारत – 2047 अनुसंधान, भारतीय भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। भाषा विज्ञान विभाग, छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में सम्मेलन संपन्न हुआ। इसमें 107 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पढ़े। मुख्य अतिथि गुरू घासीदास सेंट्रल विश्वविद्यालय के कुपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्र का विकास भौतिक विकास/धन का विकास/अनाज का विकास नहीं है बल्कि राष्ट्र का विकास तो बौद्विक और चारित्रिक विकास से ही संभव होगा। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में दिनांक 14 फरवरी 2024 को "बंसत पंचमी" का उत्सव विश्वविद्यालय प्राध्यापक, सह प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी एवं विद्यार्थियों के साथ मां सरस्वती जी की पुजा अर्चना के साथ मनाया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के विद्यार्थियों को एक दिवसीय इंडस्ट्रियल विजिट हेतु 'मिनीमाता एच. टी. पी. एस. (हसदेव) बांगो प्रोजेक्ट' ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट विभाग, अभियांत्रिकी विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में नव

		प्रवेशित पीएच.डी. शोधार्थियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। कुलपति महोदय के द्वारा शोधार्थियों को बताया गया कि किसी विषय पर जितना ज्ञान कंट्रीब्यूट किया गया यही कंट्रीब्यूट ज्ञान ही पीएच.डी. है। अब तक जो छोटे से लेकर बड़े तक जितने भी विकास हमारे सामने है, वह रिसर्च की ही देन है। शोध ऐसा होना चाहिए जिससे सामाजिक समस्याओं का निराकरण किया जा सके। – मध्य प्रदेश शासन के तत्वाधान में आयोजित अंतराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य महोत्सव 2024 का आयोजन दिनांक 20 फरवरी से 26 फरवरी 2024 तक हुआ। डॉ. सी. व्ही रमन विश्वविद्यालय की ललित कला विभाग की सहायक प्राध्यापिका सुश्री हर्षिता कुमार ने कथक की प्रस्तुती दी। इस महोत्सव में 1500 नृत्यांगनाओं ने अपने प्रतिभा की प्रस्तुती दी। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया है। नृत्य महोत्सव में विख्यात गुरूओं ने शिरकत की जिसमें मुख्य रुप से पंडित राजेन्द्र गंगाली (जयपुर घराना), ममता महाराज (लखनऊ घराना), शमा भाटे (लखनऊ घराना), पंडित रामलाल (रायगढ़ घराना), शामिल हुए। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 21 फरवरी 2024 को अंर्तराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर बहु विषयक शिक्षा एवं शोध में भाषा का महत्व विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन भाषा विज्ञान विभाग, छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केन्द्र, वनमाली सृजन पीठ के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा एआईयू कल्चरल युथ अफेयर्स के इंटर यूनिर्वसिटी साउथ ईस्ट जोन युवा महोत्सव में

		अपनी प्रतिमा का जौहर दिखाया गया। इस वर्ष यह आयोजन खरर विश्वविद्यालय साईस एंड टेक्नालॉजी मैसूर कर्नाटक में दिनांक 22 फरवरी से 26 फरवरी 2024 तक आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, विद्यार्थियों की 41 सदस्यीय टीम युवा उत्सव में शामिल हुए। इस दौरान सीव्हीआरयू के विद्यार्थी देश के 50 विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच छत्तीसगढ़ की लोककला संस्कृति सहित विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई। इस युवा महोत्सव को युवा बिम्बा 2024 का नाम दिया गया था। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 28 फरवरी 2023 को विज्ञान संकाय के माध्यम से "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" मनाया गया। रमन प्रभाव की खोज को चिह्नित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस खोज की घोषणा 28 फरवरी, 1928 को भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन ने की थी। इस खोज के लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भारत में 1986 से हर साल 28 फरवरी को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के रूप में मनाया जाता है। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशानुसार राट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर आधारित 'क्विज काम्पीटीशन' 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषय पर आयोजन एनईपी सारथी श्री अनुज कुमार सिंह, श्री आनंद पांडे एवं सुश्री प्रियंका डे के द्वारा किया गया था जिसमें सभी स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाग ले सकते थे। इस क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त

		विद्यार्थियों का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। – सत्र 2023–24 में शैक्षणिक गतिविधियॉ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

For कुलसचिव